महावीर जयन्ति स्मारिका - १९७७ (फोल्डर नं. ०१४०२३)

मुख्य टाइटल

आशीर्वचन

अनुक्रमणिका

अपनी बात

- अध्यक्षीय
- सम्पादकीय
- प्रकाशकीय
- आभार
- जैन सभा का परिचय

प्रथम खण्ड

- वीर स्तवनम् ---------- १
- भगवान् महावीर-जीवन झलक ---------- ३
- एक पद (कजरी बनारसी)---------- ८
- अहिंसा के प्रतीक महावीर---------- ९
- भौतिक जगत् और मोक्ष---------- ११
- जैन बौद्ध साधना पद्धति----------१५
- अर्पित कर में अक्षत चन्दन (गद्य काव्य) ---------- १८
- पंच कल्याणकों का स्वरूप और भगवान महावीर ---------- १९
- परमपूज्य श्री वर्द्धमान को (कविता)----------२२
- भगवान् महावीर----------२३
- भगवान् महावीर, वीतरागता और निर्वाण---------- २५
- जैन धर्म और कर्मसिद्धान्त----------२९
- युगों युगों तक अमर रेगा महावीर सन्देश तुम्हारा----------३२
- मानव जीवन और भगवान महावीर ----------३३
- सप्तभंगी, प्रतीकात्मक और त्रिमूल्यात्मक----------३९
- शाब्दिक सत्य उसका स्थूल संस्करण होता है ---------- ५३
- तीर्थंकर कौन है ---------- ५५
- ये जीवन ेक रैन का सपना---------- ५८
- अपरिग्रह व्रत----------५९
- जैन धर्म और वैदिक धर्म----------६३
- सच और झूठ ---------- ६६
- व्यवहार नय की उपयोगिता----------६७
- जन्म मंगल गीत----------७०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

तीर्थंकर वर्द्धमान ---------- ७१
विश्व के कल्याण ---------- ७४
शून्यवाद समीक्षा ---------- ७५
काष्ठ नहीं कपास बनो ---------- ८२
महावीर की प्रजातांत्रिक दृष्टि ---------- ८३
जैन दर्शन की एक दिव्यदृष्टि ---------- ८७
समय न चूकत चतुर नर ---------- ८९
ज्ञान का खजाना ---------- ९२
अनेकान्त और जीवन व्यापार ---------- ९३
शुद्ध भावना, महावीर उवाच ---------- ९८
जैन दर्शन का तात्त्विक पक्ष-वस्तुस्वातन्त्र्य ---------- ९९
मतभेद नहीं अब रह पाये ---------- १०४
जैन तर्क वाङ्मय में स्त्री मुक्ति का तार्किक विवेचन ---------- १०५
क्यों ---------- १०८
जनहित में भगवान महावीर (प्रथम) ---------- १०९
जनहित में भगवान महावीर (द्वितीय) ---------- ११२
भगवान महावीर का जीवन ---------- ११४

द्वितीय खण्ड – कला, संस्कृति और साहित्य

तमिल भारती को जैन मनीषियों का योगदान ---------- १
जैसलमेर का जैन शिल्प ---------- ३
प्राचीन जैन राम साहित्य में सीता ---------- ७
श्वेत श्री ---------- १५
पंच मुक्तक ---------- १६
रयणसार के रचयिता कौन ---------- १७
प्राकृत साहित्य में श्री देवी की लोक परम्परा ---------- २५
यह मानव जीवन ---------- २८
श्रम साधना और श्रमण संस्कृति ---------- २९
कब से दिन दिखेंगे ---------- ३२
भगवान महावीर-मूर्तिलेखों व शिलालेखों में ---------- ३३
एक सत्य का द्वार ---------- ३६
खारवेल की तिथि ---------- ३७
भगवान महावीर और बुद्ध की परम्पराओं में जन भाषाओं का विकास ---------- ४७
जब हम तुमको देख सकेंगे ---------- ५४
क्या विमलसूरि यापनीय थे ---------- ५५
असम्पृक्त लगाव ---------- ५८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

संगीत लहर ---------- ५८
प्रिंस आफ वेल्स संग्रहलाय में कांस्य मूर्तियां ----------५९
महावीर की वाणी----------६२
एक विचित्र जिन बिम्ब----------६३
अहिंसा ----------६६
श्रमण संस्कृति की प्राचीनता----------६७
जैनपुर-जयपुर ---------- ७७
अमृतवचन ---------- ८१
मंगल गीत----------८२
बाहर का विज्ञान बढ़ाया कितना----------८३
चित्रित जैन पाण्डुलिपियों का क्रमिक विकास ---------- ८५
जैन धर्म का भारतीय कला और संस्कृति को योगदान----------९४

तृतीय खण्ड - विविध

विश्वास की रक्षा ---------- १
उसकी कहानी-न मरण न मोक्ष ---------- ९
नर नारायण बना तीड़ कर कर्मों की जंजीर---------- १२
दृष्टान्त की लड़ाई-लडाई का दृष्टान्त---------- १३
विचार बिन्दु---------- १६
समय की मांग ----------१७
एक प्रश्न---------- १८
निर्वाण शती वर्ष की महान् उपलब्धइ ---------- १९
महावीर के उपदेशों की----------२२
नव साहित्य-कसौटी पर

चतुर्थ खण्ड – आंग्ल भाषा

Tri-ratna in Jain Philosophyh ---------- 1
Jainism and Linguistic Analysis---------- 9
India of Mahavira's Time ----------21
Premediaeval Jain Novels ----------27

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org